Why Invest at Collector Approved Felicity……

- ✓ 15 Min from Asia's widest Ring road connecting Ajmer Road, Tonk Road, Agra Road and Delhi Road.
- ✓ 20 Min from Mahindra World City, India's most successful SEZ
- ✓ 25 Min from Sanganer International Airport
- ✓ Under the influence zone of Delhi Mumbai Industrial Corridor

Why Invest Near to JDA Knowledge city Jaipur

- ✓ 30 Acres of Park & Woodland
- ✓ 5 Universities
- ✓ 6 IT & 12 Technical Institutes
- ✓ 14 Medical Research Institutes
- ✓ 10 Higher Order Education Institutes
- ✓ 2 Medical Colleges and Hospitals
- ✓ Convention Centre
- ✓ International Library

MWC SEZ	Most Successful SEZ in India
	3000 Acres Area divided in 4 Zones
	Direct Employment for 2 lakh Plus
Xpress Way	Travel Time Reduction–2Hrs Plus
	Distance Reduction 40 Kms
	6 Lane Inter section
Ring Road	Widest in Asia–360 Mtr [1181ft]
	6 Lanes Signal Free X-Way
	Connect in gall 3 National Highways

WHY INVEST AT DIGGI PHAGI ROAD

- Diggi road which is in the Jaipur south zone is the well known place of Jaipur. Its is said that city's south zone will always grow faster compare to other zones.
- Jaipur-Bhilwara state highway – 12 which is 300 ft wide 4 lane highway connect Jaipur to Bhilwara and onwards to Udaipur, Ahemdabad, Surat and Mumbai.
- Nearest to Jaipur international Airport as compare to Ajmer road, Sikar Road, Delhi Road & Agra Road.
- JDA knowledge city-south (EDUCATION HUB) Chittora will home 5 universities, 32 Colleges, Medical institutions, IT institutions, library, convention centre, hotels, Sports Facility, parks, commercial, lake, etc
- JDA Residential schemes Rohini Nagar I,II, III, Rohini Enclave & Rohini Farms.
- JDA NRI colony in 5,200 bighas.
- The Ring Road is envisaged as a toll-free and signal free expressway, which will connect Phagi Road, Tonk Road, Agra Road, D Road, Sikar Road & Ajmer Road.
- Ratan Industrial area.
- 750 Mega watt power grid station.
- Mahindra Sez is also near by the Diggi Road, which is the dream project of the government.
- Various projects of housing board.
- Many big colleges and institutions already running on this road
- Best investment opportunity on Diggi road as compare to Tonk Road & Ajmer road.
- Nearest to Jaipur international Airport as compare to Ajmer road, Sikar Road, Delhi Road & Agra road.

Bandi River

Ratan Industrial Area

Mahindra World City (SEZ)

Gravita India Limited

Indian Oil Corporation Ltd

Jaipur Terminal

PROPOSED KUNJBIHARIPURA INDUSTRIAL AREA OF RIICO PROJECT, WHICH IS LOCATED KUNJBIHARIPURA, TEHSIL PHAGI, DISTRICT JAIPUR RAJASTHAN STATE.

The proposed project comes under Jaipur(Rural) Unit of RIICO, the office of which is situated at Industrial Area 22 Godam, Jaipur. The current Site Development for the Industrial Activity is for a very large scale site development meant for mainly "B" Category Industries as per the EIA Notification 2006 and its amendments made till date. The main Industries that can be developed in the Proposed Industrial Area are: Steel Industries, Rolling Mills, Stone based industries, chemical industries & other general industries. The Saleable area will be about approximately 60% of the total area. Infrastructure Development includes Roads, Storm-water Drainage System, Water supply for drinking purposes, Power supply, Green Area development etc.

Land Area: 522.362 Hectares

It is expected that, during construction phase the requirement of labour will be 1000-3500 persons per day as per work activity proposed. Local labours will be employed from the surrounding villages. During Operational phase, there will be both Direct and Indirect employment generation. About 30 persons will get employment through direct arrangement by RIICO itself for maintenance of the industrial area, out of which 5 persons will be skilled labour.

Requirement of Construction Materials

Description	Requirement
Soil	About 2500 MT for road laying per km length.
Stone	
Aggregates	
Bitumen	

The water requirement for the proposed project is approximately 50 KLD including domestic water requirements for workers (45 lpcd per worker) during the construction phase based on construction activity requirement.

Electricity will be arranged by RIICO during construction and operation phase through Jaipur Vidyut Vitaran Nigam Limited. During Operational Phase sub-station of Suitable load will be established to meet the total Industrial Load. Power back-up facility will not be provided by RIICO. Individual Industries will arrange for their own Power Back-up. Power lines will also be laid by RIICO. During construction phase, power requirement will be minimal. A 132/33/11 kV Grid sub-station of suitable capacity will be planned to ensure continuous power supply to the Industrial Area.

During the operation phase of the project, water pollution will be in the form of industrial effluent as well as domestic effluent from industrial units in the industrial area. Mitigation of water pollution will be the responsibility of each individual industrial unit. Polluting industrial units will have to install Effluent Treatment Plant (ETP) and/or Sewage Treatment Plant (STP) as per their requirement in compliance with the RSPCB norms. Although RIICO is proposing to install a CETP/STP for Treatment of Effluent/Sewerage generated and ensuring a zero liquid discharge Facility. Approximately 45 to 50 kg/day of municipal solid waste will be generated from the construction camp and construction site. This will be collected and disposed off in a fenced pit at dugout the site for making compost.

दैनिक भास्कर जयपुर 20-12-2021

असंभव को संभव करने की जिद; भास्कर की रजत जयंती पर आज का जयपुर फ्रंट पेज 25 साल बाद के जयपुर को दर्शाता... प्रख्यात आर्किटेक्चरल डिजाइनर अनूप बरतरिया ने तैयार किया 2046 का ब्लू प्रिंट

जयपुर की भावी तस्वीर को सहेजने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

जयपुर फ्रंट पेज 2046

दैनिक भास्कर
सोमवार, 20.12.2021 | 8-9
dainikbhaskar.com

पहली बार किसी शहर की 25 साल बाद की तस्वीर...
इस ब्लू प्रिन्ट के जरिए समझिए 25 साल आगे की विकास यात्रा, इसमें देखिए इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रैफिक, सीनरी, स्पोर्ट्स, मेडिकल सुविधाओं के साथ शहर की बदलती सूरत

मोबिलिटी 08 चौराहे होंगे सिग्नल फ्री अगले 2 साल में
शहर के सभी चौराहे सिग्नल फ्री हो जाएंगे। पोड कार चलेंगी। ओटीएस चौराहे पर बनेगा हैंगिंग ब्रिज।

कनेक्टिविटी 07 सैटेलाइट टाउन जुड़ेंगे, बचेगा समय
दौसा, शाहपुरा, चौमू, फुलेरा, किशनगढ़, चाकसू, रामगढ़ की दूरी 20-50 मिनट में तय होगी।

वॉटर कंजर्वेशन 03 नई वॉटर बॉडीज डवलप होंगी
कानोता, नेवटा और द्रव्यवती पर वॉटर बॉडी बनेगी, जिससे भू-जल स्तर बेहतर होगा।

टूरिज्म 05 नए आकर्षण जिनसे बढ़ेगा सिटी में पर्यटन
ओलिंपिक सिटी, जयपुर डिज्नीलैंड, यूनिवर्सल स्टूडियो, नाइट सफारी और पिंक टैक्सी व पिंक बस आएंगी।

ग्रीन कवर 04 जगह बढ़ेगी हरियाली, घटेगा प्रदूषण
फॉरेस्ट बफर जोन, ग्रीन कॉरिडोर द्रव्यवती और रिंग रोड के आस-पास ग्रीन एरिया डवलप होगा।

जेसीडी 12 मंजिला आईपीडी टावर, रूफटॉप बनेगा हेलीपेड
जयपुर सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट एरिया में 14 मंजिला हॉस्पिटल पहले फेज में, छत पर एयर एंबुलेंस की सुविधा।

टेलिकॉम टावर 400 मीटर ऊंचा टावर देगा कनेक्टिविटी
हर जगह बने टावर से बिगड़ी ब्यूटी, इनकी जगह 400 मीटर का टावर बनेगा, जो शहर को कनेक्ट करेगा।

एयर ट्रैफिक 500 से ज्यादा उड़ानें होंगी सिटी एयरपोर्ट से
नया एयरपोर्ट बनेगा, 2 नए टर्मिनल बनाए जाएंगे, 3 रनवे होंगे, अंतराष्ट्रीय उड़ानें 10 गुना होंगी।

विकास का वर्टिकल विजन

सुपर स्मार्ट हैल्दी जॉयपुर

- ईज ऑफ लिविंग इंडेक्स में जयपुर अभी 23वीं रैंक पर; 25 साल बाद नंबर-1 होगा

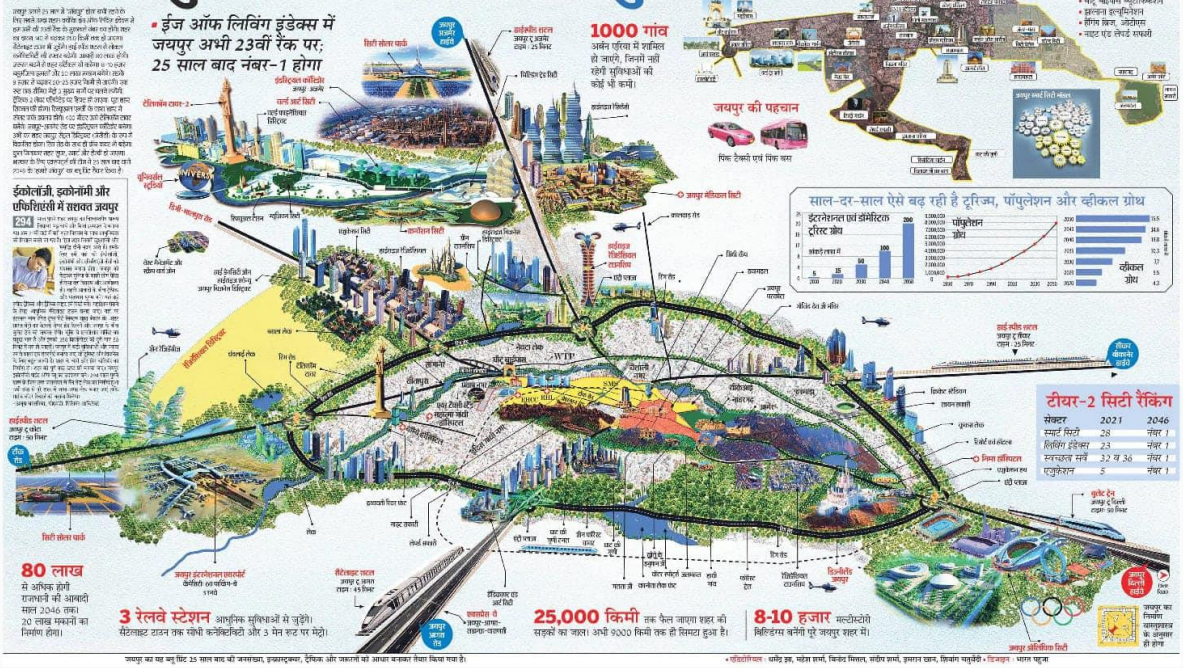

ईकोलॉजी, इकोनॉमी और एफिशिएंसी में सशक्त जयपुर

1000 गांव अर्बन एरिया में शामिल हो जाएंगे, जिनमें नहीं रहेगी सुविधाओं की कोई भी कमी।

जयपुर सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट

गुड एयर क्वालिटी और डस्ट फ्री सिटी

रनिंग प्रोजेक्ट्स
- रोड लाइट फ्री जयपुर
- न्यू वेलकम आर्च
- गार्डन ऑफ आर्चेज
- बीटू बाईपास ब्यूटीफिकेशन
- झालाना इल्यूमिनेशन
- हैंगिंग ब्रिज, ओटीएस
- नाइट एंड लेपर्ड सफारी

जयपुर की पहचान

पिंक टैक्सी एवं पिंक बस

साल-दर-साल ऐसे बढ़ रही है टूरिज्म, पॉपुलेशन और व्हीकल ग्रोथ

टीयर-2 सिटी रैंकिंग

सेक्टर	2021	2046
स्मार्ट सिटी	28	नंबर 1
लिविंग इंडेक्स	23	नंबर 1
स्वच्छता सर्वे	32 व 36	नंबर 1
एजुकेशन	5	नंबर 1

80 लाख से अधिक होगी राजधानी की आबादी साल 2046 तक। 20 लाख मकानों का निर्माण होगा।

3 रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से जुड़ेंगे। सैटेलाइट टाउन तक सीधी कनेक्टिविटी और 3 मेन रूट पर मेट्रो।

25,000 किमी तक फैल जाएगा शहर की सड़कों का जाल। अभी 9000 किमी तक ही सिमटा हुआ है।

8-10 हजार मल्टीस्टोरी बिल्डिंग्स बनेंगी पूरे जयपुर शहर में।

जयपुर का यह ब्लू प्रिंट 25 साल बाद की जनसंख्या, इन्फ्रास्ट्रक्चर, ट्रैफिक और जरूरतों को आधार बनाकर तैयार किया गया है।

• एडिटोरियल : धर्मेंद्र झा, महेश शर्मा, विनोद मित्तल, संदीप शर्मा, इमरान खान, शिवांग चतुर्वेदी • डिजाइन : भारत पहूजा

पत्रिका

#indianrailway रेलवे से जुड़े विशेषज्ञ बोले, यात्री सुविधाओं के साथ उद्योगों को भी मिलेगा बढ़ावा

रिंग रेलवे...भविष्य की जरूरत, चीन-जापान की तर्ज पर विकसित हो पिंकसिटी में भी

रिंग रेलवे से जुड़े जयपुर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजधानी को रिंग रेलवे से जोड़ने का काम कागजों में शुरू हो चुका है। प्रोजेक्ट धरातल पर उतरे इसके लिए रेलवे अधिकारी जुटे हुए हैं। इस संबंध में पत्रिका रिपोर्टर ने रेलवे के पूर्व अधिकारियों व एक्सपर्ट से बातचीत की। उन्होंने इसे भविष्य की जरूरत बताते हुए चीन और जापान की तर्ज पर विकसित करने की बात कही। उनका कहना है कि रिंग रेलवे को केवल यात्री सुविधाओं के लिए नहीं बल्कि औद्योगिक विकास को ध्यान में रखकर भी विकसित करना होगा।

इंडस्ट्री को मिलेगा बूम

जयपुर के दक्षिणी हिस्से की रिंग रोड अजमेर रोड से टोंक रोड को क्रॉस करते हुए आगरा रोड तक जाती है। उत्तरी रिंग रोड भी अजमेर रोड से शुरू हो सीकर रोड, दिल्ली रोड को क्रॉस करते हुए आगरा रोड में मिलेगी। इसके दोनों छोर प्रमुख सड़क व रेलमार्ग से गुजर रहे हैं। सीतापुरा, सांगानेर, मालवीय नगर, वीकेआइ समेत कई इंडस्ट्रियल एरिया भी हैं जहां से ट्रकों से सामान की लोडिंग, अनलोडिंग होती है। रिंग रेलवे के विकसित होने से माल लाने, ले जाने के लिए मालगाड़ी, डबल कंटेनर, पार्सल ट्रेनों का भी उपयोग किया जा सकेगा। कनकपुरा के कंटनेर हब से भी जुडाव हो जाएगा।

-आनंद प्रकाश, पूर्व महाप्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे

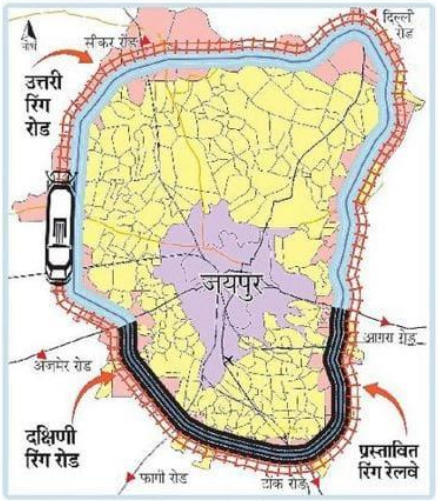

चीन-जापान में रिंग रेलवे यों बनी रीढ़

चीन में हैनान वेस्टर्न रिंग हाई-स्पीड और हैनान ईस्टर्न रिंग हाई-स्पीड रेलवे स्थापित है। इससे पूरे प्रांत के चारों ओर 653 किलोमीटर हाई स्पीड रेलवे रिंग बनती है। यह दुनिया का पहला और सबसे लंबा एकमात्र रिंग रेलवे है। इसे रीढ़ कहा जाता है। इसका कुछ हिस्सा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्थापित किया गया था। वर्ष 2010 के बाद इसे हाई स्पीड बनाया गया। यहां 200 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ती हैं। जापान में 35 किलोमीटर लंबी यामानोट लूप लाइन बनाई गई है। रिंग रेलवे की तरह यह टोक्यो की सबसे व्यस्त और हार्ट लाइन है। यह 135 वर्ष पुरानी है और 30 स्टेशनों को जोड़ती है। इन रेलवे लाइनों पर यात्री ट्रेनों के साथ ही मालगाड़ियां, कंटेनर संचालित होते हैं।

रोजगार भी मिलेगा

रिंग रेलवे प्रोजेक्ट शुरू होने से राजधानी के स्टेशन जुड़ जाएंगे। इससे शहर में यातायात सुगम हो जाएगा और सड़कों पर दबाव भी कम होगा। प्रदूषण का स्तर भी घटेगा। कम किराए में लोग सफर कर पाएंगे। उन्हें गंतव्य तक पहुंचने में भी कम समय लगेगा। जाम से भी नहीं जूझना पड़ेगा। शहर के बाहरी क्षेत्रों का भी विकास हो सकेगा। लाखों की आबादी के रेल नेटवर्क से जुड़ने के साथ ही रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे। **रजनीश कुमार** शर्मा, रेल ऑपरेशन एक्सपर्ट

स्टेशन यार्ड की जरूरत

रिंग रेलवे प्रोजेक्ट से बड़े स्तर पर रेल और सड़क मार्ग दोनों जुड़ जाएंगे। इस पर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) की तरह प्रमुख स्थानों पर स्टेशन यार्ड बनाने की जरूरत होगी। इससे यात्रियों के सुगम आवागमन के साथ व्यापारियों को भी माल लाने और ले जाने की सुगमता मिल सकेगी। स्टेशन यार्डों में मेट्रो स्टेशन की तरह सुविधाएं भी विकसित होनी चाहिए।

-किशन लाल, पूर्व रेल अधिकारी

में धड़ल्ले से जारी साइबर ठगी, कभी झांसा दे तो कभी लिंक भेज खाते कर रहे खाली

18/02/2024 | Jaipur City | Page : 30
Source : https://epaper.patrika.com/

25 दिन, 25 ग्राउंड रिपोर्ट

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा नया हाईवे...

भारतमाला में नई डोर... पचपदरा से लालसोट हाईवे बनेगा, डेढ़ घंटे कम हो जाएगी जयपुर से जोधपुर की दूरी

अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे पर यह बाड़मेर में पटाऊ गांव के पास इंटरचेंज है। इससे बाड़मेर व जोधपुर जा सकेंगे। इसका आकार वह तितली जैसा है। एक्सप्रेस-वे पर टोल प्लाजा नहीं होंगे, जब कार सब-वे से उतरेगी तब टोल देना होगा।

डीडी वैष्णव | जयपुर/जोधपुर

प्रदेश में विकास को रफ्तार देने वाले दो बड़े प्रोजेक्ट दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे और जामनगर-अमृतसर इकॉनोमिक कोरिडोर को अब जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए एनएचएआई पचपदरा से लालसोट के बीच नया ग्रीन फील्ड सिक्स लेन हाईवे बनाएगा। इसका बड़ा फायदा बीच में पड़ने वाले शहरों को होगा। जयपुर से जोधपुर के बीच की दूरी ही डेढ़ घंटे कम हो जाएगी। अभी दोनों शहरों की दूरी तय करने में छह घंटे लगते हैं, नई सड़क बनने से चार से साढ़े चार घंटे लगेंगे। ये नया हाईवे बाड़मेर, जोधपुर, पाली, अजमेर, टोंक, दौसा व जयपुर से होकर गुजरेगा।

जनवरी 2022 में इसके लिए सर्वे का काम शुरू हो जाएगा, इस आधार पर कंसल्टेंसी फर्म को डीपीआर बनाने का जिम्मा सौंपा जाएगा। एनएचएआई राजस्थान के सीजीएम पवन कुमार ने बताया कि दोनों ही एक्सप्रेस-वे का बड़ा हिस्सा राजस्थान से गुजर रहा हैं। दोनों को कनेक्ट करने से माल वाहक वाहनों को पोर्ट और एनसीआर तक आने जाने में आसानी होगी। मालूम हो कि राजस्थान में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे का 374 किमी और अमृतसगर जामनगर का 634 किमी हिस्सा पड़ेगा।

पहली बार...सड़क किनारे 16 ट्रॉमा सेंटर

अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर का राजस्थान में 60% से ज्यादा काम पूरा हो चुका। 120 किमी की स्पीड से वाहन दौड़ेंगे। एक्सप्रेस-वे पर पहली बार 16 साइड-बे ट्रॉमा सेंटर, हर 40 किमी पर इलेक्ट्रिक चार्जर, स्थानीय उत्पादों के मार्केट आदि होंगे। टोल एक्सप्रेस-वे से उतरने पर लगेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

- लंबाई 1,350 किमी • 350 किमी बन चुका • 825 किमी निर्माण जारी • लागत 1 लाख करोड़ • स्पीड सीमा 120 किमी प्रति घंटे • दिल्ली-मुंबई के बीच दूरी 150 किमी घटेगी • 25 घंटे की दूरी 13 घंटे में पूरी होगी

अमृतसर-जामनगर इकॉनोमिक कॉरिडोर

- पश्चिमी बॉर्डर पर तीन राज्यों को जोड़ेगा • लंबाई 1224 किमी • लागत 26,730 करोड़ • 30 घंटे की दूरी 14 घंटे में पूरी होगी • 2025 से शुरू होगा।

• राजस्थान न्यूजरूम

दैनिक भास्कर

जयपुर 07-08-2024

शिवदासपुरा के बाद जयसिंहपुरा-अभयपुरा में 170 हैक्टेयर में स्कीम डवलप करेगा जेडीए

भास्कर न्यूज | जयपुर

लैंड पूलिंग स्कीम : डिग्गी-मालपुरा रोड का प्लान, खातेदारों को 55% विकसित जमीन देने का प्रावधान

तेजी से बढ़ती जनसंख्या के चलते जेडीए लैंड पूलिंग एक्ट में शिवदासपुरा के बाद अब दूसरी स्कीम डवलप करेगा। जोन-11 में डिग्गी-मालपुरा पर राजस्व ग्राम अचरावाला, जयसिंहपुरा उर्फ तेजावाला और अभयपुरा में करीब 170 हैक्टेयर (680 बीघा) जमीन विकसित की जाएगी। इससे पहले शिवदासपुरा सहित आसपास के राजस्व गांवों में 164 हैक्टेयर जमीन का प्लान तैयार कर राज्य सरकार को भेजा था। यह लैंड पूलिंग एक्ट में प्रदेश की पहली स्कीम थी और अब डिग्गी-मालपुरा रोड (रिंगरोड के बाहरी एरिया) पर दूसरा प्रस्ताव बनाया है। जेडीए ने प्रस्तावित पर आपत्ति और सुझाव के लिए 12 अगस्त को दोपहर तीन बजे खातेदारों की बैठक बुलाई है।

170 हैक्टेयर जमीन पर यह लैंड पुलिंग स्कीम में रिंग रोड से बाहरी एरिया में होगी। इसमें उत्तर-पूर्व सीमा रिंग रोड योजना की बाहरी सड़क शामिल की जाएगी। दक्षिण-पूर्व सीमा डिग्गी-मालपुरा सड़क तक होगी। दक्षिण-पश्चिम सीमा में डिग्गी-मालपुरा रोड को जयसिंहपुरा उर्फ तेजावाला गांव से जोड़ने वाली जोनल विकास योजना की प्रस्तावित 30 मीटर चौड़ी सड़क रहेगी। स्कीम जेडीए की आदित्य विहार योजना के चारों ओर रहेगी, जो स्कीम से बाहर रहेगी। उत्तर-पश्चिम सीमा में राजस्व ग्राम अचरावाला, जयसिंहपुरा व अभयपुरा को रिंग रोड योजना से जोड़ने वाली जोनल विकास योजना की प्रस्तावित 30 मीटर चौड़ी सड़क तक एलपीएस स्कीम डवलप होगी।

योजना में खातेदारों को मुआवजे के रूप में 55% विकसित जमीन देने का प्रावधान है। 30% जमीन पर पार्क, सुविधा क्षेत्र, रोड नेटवर्क डवलप होगा। 5% पर ईडब्ल्यूएस/एलआईजी के लिए योजना का प्रावधान रहेगा। 10% जमीन जेडीए के पास रहेगी। जेडीए आरक्षित जमीन को नीलामी कर योजना के आंतरिक विकास कार्य करवाएगा।

प्रदेश की सबसे बड़ी स्कीम

लैंड पूलिंग एक्ट में डवलप होने की वाली यह सबसे बड़ी स्कीम होगी। इसमें अधिकतम 55% तक खातेदारों को मुआवजे का प्रावधान है। हालांकि मौके की परिस्थितियों आधार पर बदलाव किया जा सकता है। इन इलाकों की जमीन के भू-रूपांतरण या लैंड यूज चेंज की कार्रवाई पर रोक रहेगी।

सांगानेर में ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात

डिग्गी-मालपुरा रोड के रेलवे अंडरपास की चौड़ाई होगी डबल

जयपुर। डिग्गी मालपुरा रोड सवाई माधोपुर रेलवे अंडरपास की कम चौड़ाई के कारण सांगानेर कस्बा जाम ही रहता है। भीलवाड़ा जयपुर को कनेक्ट करने के लिए कहने को मेगा हाइवे बना रखा है, लेकिन सांगानेर में एंट्री करते ही यह मेगा हाइवे अंडरपास के कारण बोटल नेक हो जाता है। अंडरपास

से रेनवाल, फागी, डिग्गी, मालपुरा, केकडी, शाहपुरा व भीलवाड़ा तक के वाहनों की रोज हजारों की संख्या में आवाजाही रहती है। अंडरपास की कम चौड़ाई होने से यहां जाम की समस्या से सांगानेर कस्बा भी त्रस्त है। विधायक अशोक लाहोटी ने बताया कि सांसद रामचरण बोहरा, राजवर्धन सिंह राठौड़ के साथ रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर रेलवे अंडरपास की चौड़ाई बढ़ाने की मांग की है। यहां रेलवे अंडर पास का एक ही बॉक्स लगा होने के कारण एक बार में एक ही वाहन निकल पाता है। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौके पर ही रेलवे के जीएम व डीजीएम को निर्देश देकर जल्द से समस्या का समाधान

दैनिक भास्कर जयपुर 18-07-2024

बजट में घोषित प्रोजेक्ट पर जेडीए ने काम शुरू किया

2 एलिवेटेड, 4 फ्लाईओवर के डीपीआर टेंडर जारी किए

जयपुर| राजधानी के विभिन्न सड़कों और चौराहों को ट्रैफिक जाम से फ्री करने के लिए बजट में घोषित प्रोजेक्ट पर जेडीए ने काम शुरू कर दिया है। अम्बेडकर सर्किल से जवाहर सर्किल और राजमहल से कलेक्ट्रेट तक एलिवेटेड, सीबीआई फाटक, सालीग्राम फाटक, रिद्धी सिद्धी चौराहे और महिन्द्र सेज में 200 और 250 फीट कनेक्टिंग सड़क पर फ्लाईओवर बनाने के लिए डीपीआर टेंडर जारी किए है।

इन सभी प्रोजेक्ट्स की डीपीआर तैयार करने के लिए 5 अगस्त तक ऑनलाइन आमंत्रित किए हैं। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद दो महीने में डीपीआर रिपोर्ट सबमिट करनी होगी। जेडीए दिसंबर तक कंस्ट्रक्शन टेंडर जारी कर अगले साल जनवरी -फरवरी तक काम शुरू करने का दावा रहा है।

19.41 करोड़ में बनेगी 6 प्रोजेक्ट डीपीआर रिपोर्ट

बजट में 3 एलिवेटेड, 4 फ्लाईओवर और 3 आरओबी की घोषणा हुई थी। इनमें से छह प्रोजेक्ट पर जेडीए ने काम किया है। सबसे पहले 2 एलिवेटेड, चार फ्लाईओवर प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार की जाएगी। इनमें अम्बेडकर सर्किल से जवाहर सर्किल और राजमहल से कलेक्ट्रेट तक एलिवेटेड की डीपीआर 14 करोड़, सीबीआई फाटक, सालीग्राम फाटक रेलवे ओवरब्रिज की डीपीआर 2.71 करोड़, गोपालपुरा बायपास रिद्धी-सिद्धी और महिन्द्र सेज में 2.43 करोड रुपए प्रोजेक्ट डीपीआर तैयार होगी।

बजट बहस के अंतिम दिन सरकार ने की घोषणा

दैनिक भास्कर जयपुर 17-07-2024

अहमदाबाद का मॉडल देखकर आई टीम, सरकार को रिपोर्ट भेजी

हाई टेक सिटी के लिए फागी, आगरा रोड, बस्सी में जमीनों के विकल्प

भास्कर एक्सक्लूसिव

महेश शर्मा | जयपुर

जयपुर में सैटेलाइट सिटी को लेकर राज्य सरकार ने प्लानिंग शुरू कर दी है। बजट लेखानुदान में उप मुख्यमंत्री ने जैसे ही जयपुर में 'हाई टेक सिटी' की घोषणा की, तभी से लोगों में उत्सुकता है। योजना को धरातल पर लाने के लिए पहले मुख्य सचिव ने यूडीएच-जेडीए अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद एक टीम गुजरात (गिफ्ट सिटी) भेजी गई। टीम में अनुभवी डायरेक्टर प्लानिंग, डायरेक्टर इंजीनियरिंग, एडिशनल चीफ टाउन प्लानर, ए.चीफ इंजीनियर और ओएसडी (आरएंडएम) शामिल रहे। इनकी रिपोर्ट को सरकार को भेजा गया है। रिपोर्ट में गुजरात के अलावा दो अन्य सैटेलाइट सिटी 'मुंबई के निकट पुणे 2 और हैदराबाद के निकट बनी 'साइबराबाद' का भी जिक्र है। हालांकि, झुकाव गुजरात सिटी फार्मूले की ओर ज्यादा है।

अब सरकार के निर्देश का इंतजार

जेडीसी मंजू राजपाल ने बताया कि हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद मॉडल पर रिपोर्ट बनी है। हैदराबाद मॉडल में जमीन कम चाहिए। अहमदाबाद मॉडल में करीब 500 हेक्टेयर (सरकारी), चारों ओर 1000 हेक्टेयर जमीन चाहिए।

-गिफ्ट सिटी का फॉर्मूला और शेष | पेज 6

फागी में सर्वाधिक लैंड बैंक

- **फागी:** जेडीए लैंड बैंक में यहीं नॉलेज सिटी में एक साथ 400 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है।
- **आगरा रोड:** यहां रिंग रोड के पास जेडीए की 100 हेक्टेयर जमीन है। दिल्ली एक्सप्रेस वे से नजदीकी और रिंग रोड से कनेक्टिविटी।
- **बस्सी:** यहां जेडीए के पास कोई सरकारी जमीन तो नहीं है, लेकिन आसपास निजी खाती जमीनें हैं, जिन्हें अवाप्त करना होगा।

जयपुर के लिए ये आगे का रास्ता

- प्रोजेक्ट के लिए कम से कम एक साथ 500 हेक्टेयर सरकारी भूमि की जरूरत।
- चारों ओर करीब 1000 हेक्टेयर खाली जमीन, जिसको राजस्थान लैंड पूलिंग एक्ट 2016 के तहत काम लिया जा सके।
- आर्थिक गतिविधियों और निवेशकों की पहचान करने और परियोजना के लिए समग्र रूप से मास्टर प्लानिंग, बाजार विश्लेषण के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति।
- प्रोजेक्ट के लिए सरकार कंपनी का गठन करे, जिसमें जेडीए अग्रणीय भागीदार रहे। जैसे स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, कुछ उसी तरह अलग बॉडी तैयार हो।
- प्रोजेक्ट की शुरुआत से ही इसमें निवेश आकर्षित करने के लिए संबंधित निवेशकों, डेवलपर्स के संपर्क साधा जाए, उनको प्रोजेक्ट में जुड़ने से लिए प्रोत्साहित किया जाए।

दैनिक भास्कर
भीलवाड़ा भास्कर 12-07-2024

भास्कर Explainer • बजट में घोषणा, 9,864 करोड़ रुपए लागत आएगी

शाहपुरा, केकड़ी-मालपुरा होकर बनेगा 193 किमी लंबा एक्सप्रेस वे, 2 घंटे में जयपुर पहुंचेंगे

नए एक्सप्रेस वे के लिए 1,777 हैक्टेयर जमीन अधिगृहित होगी

भास्कर न्यूज | भीलवाड़ा

राज्य बजट में वित्तमंत्री दीया कुमारी की ओर से घोषित जयपुर-भीलवाड़ा एक्सप्रेस वे भीलवाड़ा जिले के लिए कई मायनों में खास होगा। एक्सप्रेस वे बनने से भीलवाड़ा टेक्सटाइल उद्योग और गति पकड़ेगा। शाहपुरा व केकड़ी जिलों के साथ ही मालपुरा (टोंक) से होकर यह 193 किमी लंबा एक्सप्रेस वे गुजरेगा। खास बात यह है कि वर्तमान मार्ग से एक्सप्रेस वे पूरी तरह से अलग बनेगा।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 9,864 करोड़ रुपए आएगी। वर्तमान में गुलाबपुरा व अजमेर होते हुए जयपुर की दूरी 206 किमी है। इस सफर में करीब 3:30 घंटे लगते हैं, लेकिन एक्सप्रेस वे कंप्लीट होने के बाद जयपुर-भीलवाड़ा की दूरी 13 किमी घटकर सफर मात्र 2 घंटे का रह जाएगा। एक्सप्रेस वे में 17 एचएलबी व 17 छोटे पुल बनेंगे। नया एक्सप्रेस वे एक नेशनल हाइवे व 6 स्टेट हाइवे को क्रॉस करेगा। इसमें 6 फ्लाई ओवर भी बनना प्रस्तावित है। इस रूट पर प्रतिदिन औसतन करीब 11 हजार 53 वाहन गुजरेंगे। 1,777 हैक्टेयर जमीन अधिगृहित की जाएगी। अक्षत जमीन की कीमत करीब 1,423 करोड़ रुपए होगी। प्रारंभिक रूप से एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क पर 4,696 करोड़ रुपए व प्रति किमी 24.33 करोड़ रुपए करीब लागत आएगी।

उत्तर-पूर्वी एक्सप्रेस - वे से जुड़ेगा भीलवाड़ा, उद्योगों को फायदा

भीलवाड़ा के प्रमुख उत्पाद कॉपर, अभ्रक, चांदी व सिल्वर स्टोन है। एक्सप्रेस वे बन जाने के बाद भीलवाड़ा उत्तर-पूर्वी एक्सप्रेस से जुड़ जाएगा। जयपुर, टोंक, मालपुरा, शाहपुरा, भीलवाड़ा व राजसमंद आपस में जुड़ जाएंगे। जयपुर के रेडिमेड गारमेंट्स उद्योग व हैंडीक्राफ्ट उद्योग का विकास होगा। यात्रा समय में करीब 1:30 घंटे की कमी आएगी।

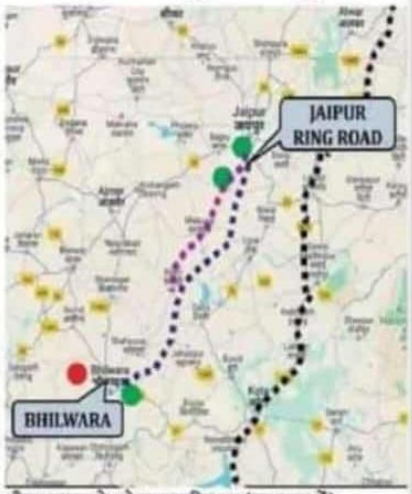

भीलवाड़ा एक्सप्रेस वे का प्रस्तावित रूट (ब्लू लाइन में)

दैनिक भास्कर
जयपुर 12-07-2024

भास्कर खास • डिजाइन और डीपीआर फाइनल होने के बाद जनवरी 2025 से धरातल पर उतारने की तैयारी

नवंबर तक तैयार होगी एलिवेटेड-फ्लाईओवर-आरओबी की डिजाइन, सबसे पहले सांगानेर एलिवेटेड का काम शुरू होगा

भास्कर न्यूज | जयपुर

बजट घोषणा के दूसरे ही दिन गुरुवार को जेडीए ने राजधानी में 3 एलिवेटेड, 4 फ्लाईओवर, 3 आरओबी और 1 अंडरपास के प्रोजेक्ट्स को धरातल पर उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। अफसरों का कहना है कि प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिलते ही डीपीआर का काम शुरू हो जाएगा। डिजाइन नवंबर तक तैयार कर जनवरी 2025 तक शिलान्यास भी कर दिया जाएगा। सबसे पहले सांगानेर फ्लाईओवर से चौराड़िया पेट्रोल तक एलिवेटेड प्रोजेक्ट शुरू होगा। गौरतलब है कि 1670 करोड़ रुपए में 3 एलिवेटेड, 506 करोड़ में आरओबी-फ्लाईओवर और 75 करोड़ रुपए सेक्टर सड़कों के निर्माण व चौराहों के सुधार पर खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा 3 करोड़ रुपए की लागत से टोंक रोड से फागी रोड तक 30 किमी लंबी सड़क के लिए फिजिबिलिटी और डीपीआर बनाई जाएगी। प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए जेडीसी मंजू राजपाल ने अधिकारियों की गुरुवार को मीटिंग ली।

30 किमी की सबसे लंबी सेक्टर रोड बनेगी, टोंक रोड को फागी रोड से जोड़ेगी

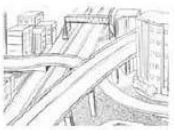

वर्तमान में टोंक रोड को फागी रोड से जोड़ने के लिए रिंग रोड की एकमात्र रूट है, लेकिन वाटिका, लाखना, बालावाला, शिवदासपुरा, बीलवा इलाके में कई कॉलोनियों की बसावट हो चुकी है। इनके लिए टोंक रोड से फागी रोड के बीच 30 किमी लंबी सेक्टर रोड बनेगी। यह एक इलाके को दूसरे से जोड़ने के लिए शहर की सबसे लंबी सेक्टर रोड होगी। तीन करोड़ रुपए में इसकी डीपीआर और फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनेगी। इसके अलावा 50 करोड़ की लागत से सेक्टर सड़कों का निर्माण और 25 करोड़ से चौराहों का सुधारीकरण कार्य होगा।

कंसलटेंसी फर्म के लिए इस माह निकलेगा टेंडर

676 करोड़ के आरओबी/फ्लाईओवर की कंसलटेंसी फर्म नियुक्ति के लिए इसी माह टेंडर जारी होंगे। अगस्त माह में कंसलटेंट तय कर दिया जाएगा, जो नवंबर तक डिजाइन फाइनल कर रिपोर्ट सौंपेगा। वहीं, अंबेडकर सर्किल से जवाहर सर्किल तक 9 किमी, कलेक्ट्रेट से राजमहल पैलेस तक 3.4 किमी और सांगानेर फ्लाईओवर से चौराड़िया पेट्रोल पंप तक 1.4 किमी लंबे एलिवेटेड बनेंगे।

फ्लाईओवर-आरओबी की डिजाइन बनेगी

सहकार मार्ग, इमली फाटक, रिद्धि-सिद्धि, गोपालपुरा, महिंद्रा सेज में 250 फीट व 200 फीट सड़क के इंटरसेक्शन, पृथ्वीराज नगर दक्षिणी क्षेत्र में वंदेमातरम सड़क पर पत्रकार कॉलोनी जंक्शन पर फ्लाईओवर की डिजाइन बनेगी। जगतपुरा में सीबीआई/इंडुनी फाटक आरओबी और सालीग्राम पुरा फाटक आरओबी डिजाइन बनेगी।

JAIPUR PRIME
जयपुर प्राइम

#cityproject जवाहर सर्कल से अंबेडकर सर्कल तक एलिवेटेड रोड की डीपीआर जल्द

सांगानेर से होगा नए प्रोजेक्ट का आगाज...जनवरी में काम शुरू

धरातल पर आएंगी बजट में हुई घोषणाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राजधानी जयपुर के ट्रैफिक सुधार की बजट घोषणाओं को धरातल पर लाने के लिए जेडीए में गुरुवार को बैठक हुई। इसमें हर प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की गई। पहले नए प्रोजेक्ट का आगाज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विधानसभा क्षेत्र सांगानेर से होगा।

सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पम्प तक एलिवेटेड रोड का निर्माण जेडीए जनवरी में शुरू कर देगा। करीब 1.45 किमी लम्बी इस एलिवेटेड रोड को बनाने में जेडीए 170 करोड़ रुपए खर्च करेगा। माना जा रहा है कि अक्टूबर तक जेडीए को कंसल्टेंट्स से सभी प्रोजेक्ट की डिजाइन मिल जाएगी। वहीं, अम्बेडकर सर्कल से जवाहर सर्कल तक की एलिवेटेड रोड की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट(डीपीआर) बनाने का काम भी जल्द शुरू होगा।

बैठक में आयुक्त मंजू राजपाल ने कहा कि प्रोजेक्ट तय समय पर पूरे हों और निर्माण कार्य के दौरान लोगों को परेशान न होना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक रास्तों का भी इंतजाम करें। जेडीसी ने बैठक में प्रोजेक्ट की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्रवाई करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। दरअसल, जेडीए बजट घोषणा के हिसाब से 2254 करोड़ रुपए के काम शहर में आगामी वर्षों में कराएगा।

दो एलिवेटेड ये भी

1 अम्बेडकर सर्कल से जवाहर सर्कल

लागत: 1,100 करोड़ रुपए

अम्बेडकर सर्कल से रामबाग, जेडीए होते हुए ओटीएस और जवाहर सर्कल तक की एलिवेटेड रोड की डीपीआर बनवाई जाएगी। रामबाग सर्कल पर मैट्रो भी प्रस्तावित है। जेडीए के अनुसार, दोनों प्रोजेक्ट चौराहे पर आसानी से क्रॉस होंगे।

2 कलक्ट्रेट सर्कल से राजमहल पैलेस होटल

लागत: 400 करोड़ रुपए

कलक्ट्रेट सर्कल से एमआइ रोड होते हुए राजमहल पैलेस होटल चौराहे तक **3.6 किमी** की एलिवेटेड रोड की डीपीआर तैयार करवाई जाएगी। जेडीए इसकी फिजिबिलटी रिपोर्ट पहले ही तैयार करवा चुका है।

3 सांगानेर फ्लाईओवर से चौरड़िया पेट्रोल पम्प

लागत: 170 करोड़ रुपए

ये काम करेगा जेडीए

- **1,670** करोड़ से 3 एलिवेटेड रोड बनाई जाएंगी
- **506** करोड़ से आरओबी और फ्लाईओवर बनाए जाएंगे
- **76** करोड़ रुपए सेक्टर सड़कों के निर्माण और चौराहों के सुधार पर खर्च होंगे
- **03** करोड़ रुपए की लागत से टोंक रोड से फागी रोड (30 किमी) सड़क निर्माण के लिए फिजिबिलिटी और डीपीआर का काम करवाया जाएगा।

यहां बनेंगे फ्लाईओवर

सहकार मार्ग, इमली वाला फाटक	65
रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा	72
महिन्द्रा सेज	90
वंदेमातरम मार्ग और पत्रकार कॉलोनी जंक्शन	98

यहां आरओबी प्रस्तावित

सीबीआइ फाटक	95
सालिगरामपुरा	86

(लागत करोड़ रुपए में)

जेडीए करेगा समयबद्ध तरीके से काम

बजट में जेडीए से संबंधित जो भी घोषणाएं हैं, उनको समयबद्ध तरीके से पूरा कराएंगे। इसके लिए नियमित रूप से साप्ताहिक बैठक होगी और जल्द ही कंसल्टेंसी की निविदाएं भी आमंत्रित की जाएंगी। अगस्त में कंसल्टेंट नियुक्त कर दिए जाएंगे।
-मंजू राजपाल, आयुक्त

30 किमी की सबसे लंबी सेक्टर रोड बनेगी, टोंक रोड को फागी रोड से जोड़ेगी

वर्तमान में टोंक रोड को फागी रोड से जोड़ने के लिए रिंग रोड की एकमात्र रूट है, लेकिन वाटिका, लाखना, बालावाला, शिवदासपुरा, बीलवा इलाके में कई कॉलोनियों की बसावट हो चुकी है। इनके लिए टोंक रोड से फागी रोड के बीच 30 किमी लंबी सेक्टर रोड बनेगी। यह एक इलाके को दूसरे से जोड़ने के लिए शहर की सबसे लंबी सेक्टर रोड होगी। तीन करोड़ रुपए में इसकी डीपीआर और फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनेगी। इसके अलावा 50 करोड़ की लागत से सेक्टर सड़कों का निर्माण और 25 करोड़ से चौराहों का सुधारीकरण कार्य होगा।

जयपुर से भीलवाड़ा वाया मालपुरा स्टेट हाईवे 4 लेन होगा, केंद्र को भेजा प्रस्ताव

212 किमी रोड के लिए राज्य सरकार ने जारी की एनओसी

भास्कर संवाददाता | भीलवाड़ा

जयपुर से मालपुरा होते हुए भीलवाड़ा तक स्टेट हाइवे संख्या 12 को नेशनल हाइवे बनाने के लिए राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। राज्य सरकार ने सांगानेर (जयपुर) -फागी-मालपुरा-केकड़ी-शाहपुरा-मांडल (भीलवाड़ा) राज्य राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में विकसित करने के लिए अनापत्ति जारी कर दी है। यह मार्ग जयपुर के लिए सबसे छोटा होगा। 212 किलोमीटर लंबे जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाईवे संख्या 12 को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करवाने के साथ ही इसको चार लेन में करने के लिए चौड़ाई बढ़ाने का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है।

यह सड़क रेनवाल, फागी, मालपुरा, केकड़ी, शाहपुरा आदि बड़े कस्बों में होकर जयपुर को भीलवाड़ा से जोड़ती है। अभी यह स्टेट हाईवे दो लेन का है। जयपुर से भीलवाड़ा की दूरी वाया अजमेर एनएच-8 से होते हुए 277 किलोमीटर है जबकि वाया मालपुरा होते हुए 237 किलोमीटर है। इस मार्ग को 4 लेन राष्ट्रीय राज मार्ग बनाने से जयपुर से भीलवाड़ा की दूरी 40 किलोमीटर कम होने के साथ-साथ 4 लेन बनने से जयपुर आने-जाने में समय व ईंधन की बचत होगी। इस मार्ग के चार लेन का कर देने से अजमेर हाईवे पर दबाव कम होगा व दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

प्रदेश में 8 नए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे चरणबद्ध रूप से बनेंगे

ढाई हजार किमी एक्सप्रेस-वे की डीपीआर मंजूर, एक वर्ष में होगी तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भाजपा सरकार की ओर से बजट में की गई घोषणा के अनुरूप प्रदेश में बनने वाले ढाई हजार किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की डीपीआर बनाने के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। करीब तीस करोड़ की लागत से इन एक्सप्रेस-वे की डीपीआर तैयार होगी। करीब एक साल में इन एक्सप्रेस की तस्वीर सामने आएगी। डीपीआर तैयार करने में कम से कम एक साल लगेगा। इसके बाद सरकार इनके निर्माण को लेकर काम शुरू करेगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि प्रदेश में 8 नए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे चरणबद्ध रूप से बनाए जाने हैं। इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण से प्रदेश के आर्थिक विकास को पंख लगेंगे। तेज और सीधी कनेक्टिविटी स्थापित होने से प्रदेश में निवेश को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक विकास के नए अवसर सृजित होंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिया आदेश, डीपीआर की लागत 30 करोड़ रुपए

प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे

एक्सप्रेस-वे	लम्बाई
कोटपूतली-किशनगढ़	181
जयपुर-भीलवाड़ा	193
बीकानेर-कोटपूतली	295
ब्यावर-भरतपुर	342
जालौर-झालावाड़	402
अजमेर-बांसवाड़ा	358
जयपुर-फलौदी	345
श्रीगंगानगर-कोटपूतली	290

*लम्बाई किलोमीटर में

जयपुर-जोधपुर-पचपदरा एक्सप्रेस-वे की डीपीआर एनएचएआई बनाएगी: प्रस्तावित आठ एक्सप्रेस-वे की डीपीआर राज्य सरकार बनवाएगी। वहीं, 9वें एक्सप्रेस वे (जयपुर-जोधपुर-पचपदरा) की डीपीआर का जिम्मा एनएचएआई को दिया गया है। यह एक्सप्रेस-वे चार लेन का होगा और करीब साढ़े तीन सौ किमी इसकी लम्बाई होगी। इस एक्सप्रेस-वे के माध्यम से दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे और अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे को जोड़ने की योजना है।